>

Title: Shortage of doctors in the tribal dominated areas of Yavatmal-Washim Parliamentary Constituency in Maharashtra.

श्रीमती भावना पाटील गवली (यवतमाल-वाशिम): सभापति महोदय, आज देश के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव होना आम बात हो गयी है। मैं विशेषकर अपने संसदीय क्षेत्र यवतमाल की बात यहां रखना चाहूंगी। वहां आदिवासी क्षेत्र में न तो ढंग के अस्पताल हैं और न ही प्रशिक्षित डाक्टर हैं, जिसके कारण आदिवासी परिवारों को अपना इलाज कराने में काफी दिक्कतें हो रही हैं। यहां के अस्पताल बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। अस्पताल की इमारतें भी खस्ताहाल में हैं। सरकार आदिवासियों के विकास हेतु ढिंढोरा पीटते हुए नजर आती है, किन्तु वास्तविकता कहीं परे है। आदिवासी परिवारों की आर्थिक हालत दयनीय होने से ये परिवार अच्छे चिकित्सकों के पास नहीं जा सकते, इसलिए उन्हें सरकारी अस्पतालों के ऊपर निर्भर रहना पड़ता है। इन सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त अधिकारियों, डाक्टरों और एम्बुलेंसों की भारी कमी होने के कारण लोगों को उनकी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। यवतमात के मेडिकल कालेज में बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति के लिए केन्द्र सरकार ने धनराशि आवंटित की थी, लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। मेडिकल कालेज के लिए और अतिरिक्त धनराशि आवंटित करने की आवश्यकता है।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहती हूं कि वह इस विषय की जांच करे और यवतमाल आदिवासी इलाके में इन मेडिकल कालेजों और अस्पतालों की दशा को सुधारने के लिए दो सौ करोड़ रुपये की राशि प्रदान करे। धन्यवाद।